

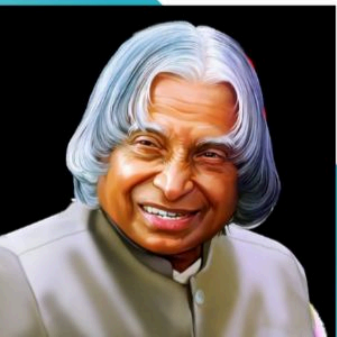
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 22 अक्टूबर 2026, अंक -382.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"न्याय में देरी न्याय से वंचित करना है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार





Thursday Prayer

बिहार राज्य गीत

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

राष्ट्रगान

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गिरूंगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाया।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. साइप्रस की राजधानी क्या है?

उत्तर: निकोसिया

प्रश्न 2. भारत में व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय कौन थे?

उत्तर: खाशाबा जाधव

प्रश्न 3. 'ढिमसा' किस राज्य का प्रसिद्ध जनजातीय लोकनृत्य है?

उत्तर: आंध्र प्रदेश

प्रश्न 4. $8^2 - 7^2$ का मान कितना होगा?

उत्तर: 15

प्रश्न 5. बिहार का 'बोधगया पुरातात्विक संग्रहालय' किस जिले में स्थित है?

उत्तर: गया

प्रश्न 6. कौन-सा पौधा कीटों को पकड़कर उनसे पोषक तत्व प्राप्त करता है?

उत्तर: पिचर प्लांट

प्रश्न 7. एक्स-रे की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?

उत्तर: विल्हेम रॉन्टगन

प्रश्न 8. भारतीय संविधान में समानता का अधिकार किन अनुच्छेदों में दिया गया है?

उत्तर: अनुच्छेद 14-18

प्रश्न 9. 'जल' का एक पर्यायवाची शब्द क्या है?

उत्तर: नीर

प्रश्न 10. थर्मामीटर में तापमान मापने के लिए किस इकाई का प्रयोग सामान्यतः किया जाता है?

उत्तर: डिग्री सेल्सियस

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Governance - गवर्नेंस - शासन / प्रशासन
- 2 Election - इलेक्शन - निर्वाचन / चुनाव
- 3 Ballot - बैलेट - मतपत्र
- 4 Electorate - इलेक्टरेट - निर्वाचक-समूह
- 5 Constituency - कॉन्स्टिट्युएन्सी - निर्वाचन क्षेत्र
- 6 Majority - मजॉरिटी - बहुमत
- 7 Opposition - ऑपोज़िशन - विपक्ष



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "How often are you going to + V1?"

(तुम कितनी बार ... करने वाले हो?)

तुम कितनी बार व्यायाम करने वाले हो? - How often are you going to exercise?

तुम कितनी बार अपने दादा-दादी से मिलने वाले हो? - How often are you going to visit your grandparents?

तुम कितनी बार अंग्रेज़ी का अभ्यास करने वाले हो? - How often are you going to practise English?

तुम कितनी बार पुस्तकालय जाने वाले हो? - How often are you going to visit the library?

तुम कितनी बार पौधों को पानी देने वाले हो? - How often are you going to



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण

प्र.1. प्रतिवर्ष 22 अक्टूबर को विश्व स्तर पर प्रवाहपूर्ण संवाद और भाषण विकारों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: अंतरराष्ट्रीय हकलाहट जागरूकता दिवस (ISAD / International Stuttering Awareness Day)

व्याख्या: 22 अक्टूबर को प्रतिवर्ष 'अंतरराष्ट्रीय हकलाहट जागरूकता दिवस' (International Stuttering Awareness Day) मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1998 में 'इंटरनेशनल स्टटरिंग एसोसिएशन' (ISA) और वाणी विकृति वैज्ञानिकों द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य हकलाने (Stuttering/Stammering) वाले बच्चों और वयस्कों के प्रति समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता व संकोच को दूर करना, उन्हें भावनात्मक संबल प्रदान करना तथा समावेशी शिक्षण वातावरण तैयार करना है। स्पीच थेरेपी (वाणी चिकित्सा) और धैर्यपूर्वक सुनने की आदत इस विकार के प्रबंधन में सबसे प्रभावी मानी जाती है।

संदर्भ: International Stuttering Association (ISA) Portal;

प्र.2. वर्ष 1901 में आरंभ हुए नोबेल पुरस्कारों के इतिहास में भौतिकी और रसायन विज्ञान — दोनों अलग-अलग वैज्ञानिक विधाओं में दो बार नोबेल पुरस्कार जीतने वाली विश्व की एकमात्र महिला वैज्ञानिक कौन हैं? (समसामयिक/नोबेल विशेष)

उत्तर: मैडम मैरी क्यूरी (Marie Curie)

व्याख्या: मैरी क्यूरी विश्व इतिहास की एकमात्र ऐसी वैज्ञानिक हैं जिन्होंने दो अलग-अलग वैज्ञानिक श्रेणियों में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें वर्ष 1903 में अपने पति पियरे क्यूरी और हेनरी बेकरल के साथ 'रेडियोधर्मिता' (Radioactivity) की परिघटना के अन्वेषण हेतु 'भौतिकी का नोबेल पुरस्कार' मिला। इसके पश्चात वर्ष 1911 में रेडियम और पोलोनियम तत्वों की खोज तथा शुद्ध रेडियम के पृथक्करण हेतु उन्हें 'रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार' प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त क्यूरी परिवार को कुल 5 नोबेल पुरस्कार (मैरी क्यूरी-2, पियरे क्यूरी-1, बेटी आइरीन जूलियट क्यूरी-1 और दामाद फ्रेडरिक जूलियट-1) प्राप्त होने का अनूठा विश्व कीर्तिमान प्राप्त है।

संदर्भ: NobelPrize.org Official Archives — Marie Curie Biography;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध हिंदी नाटक है, जिसमें स्वाधीनता-पूर्व भारत में किसानों के संघर्ष, दमनकारी जमींदारी प्रथा और 'बलराज' व 'मनोहर' के आत्मसम्मान की रक्षा की कथा मंचित की गई है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: संग्राम (1923)

व्याख्या: 'संग्राम' (1923) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक अत्यंत प्रभावशाली सामाजिक और राजनीतिक नाटक है। प्रेमचंद मूलतः उपन्यासकार और कहानीकार थे, परंतु उन्होंने किसानों के वास्तविक संकट और शोषक वर्ग के षड्यंत्रों को दृश्य रूप में प्रस्तुत करने हेतु इस नाटक की रचना की। इसमें जमींदार राजा साहब और उनके क्रूर कारिंदों द्वारा किसानों पर किए जाने वाले अत्याचारों, अवैध बेदखली और फर्जी मुकदमों के विरुद्ध ग्रामीण किसानों के अहिंसक सत्याग्रह और नैतिक विजय को दर्शाया गया है। यह नाटक राष्ट्रीय आंदोलन के किसान-चेतना चरण का सजीव साहित्यिक दस्तावेज है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'संग्राम' नाटक, हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन;

प्र.4. अत्यधिक वायु प्रदूषण और शीत ऋतु में घने कोहरे के साथ सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म धूल कणों (PM 2.5) के मिलने से बनने वाले जहरीले धुंध को पर्यावरण विज्ञान में क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: स्मॉग (धूम-कोहरा / Smog)

व्याख्या: 'स्मॉग' (Smog) शब्द 'स्मोक' (Smoke - धुआं) और 'फॉग' (Fog - कोहरा) के संयोजन से बना है। यह दो प्रकार का होता है: (1) 'क्लासिकल स्मॉग' (लंदन स्मॉग) — जो ठंडी और आर्द्र जलवायु में धुएं, सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂) और कोहरे के मिलने से बनता है तथा अपचायक प्रकृति का होता है; (2) 'प्रकाश रासायनिक स्मॉग' (लॉस एंजिल्स स्मॉग) — जो तेज धूप में वाहनों से निकले नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x) और हाइड्रोकार्बनों की क्रिया से बनता है तथा ओजोन व PAN (पेरॉक्सीएसिटिल नाइट्रेट) युक्त ऑक्सीकारक होता है। स्मॉग फेफड़ों में सूजन, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा और आंखों में जलन का प्राथमिक कारक बनता है।

संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 406-409; NCERT Science Class 8, Ch 18 "वायु तथा जल का प्रदूषण", p. 240-243;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राजस्थान के आउवा (पाली) में जोधपुर की शाही सेना और ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट मॉक मेसन को युद्ध में मारकर उसका सिर किले के दरवाजे पर लटकाने वाले महान विद्रोही ठाकुर कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: ठाकुर कुशल सिंह (आउवा)

व्याख्या: ठाकुर कुशल सिंह चंपावत 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में राजस्थान के सबसे दुर्जेय और अदम्य नायक थे। उन्होंने आउवा (पाली) को क्रांति का मुख्य केंद्र बनाया। 8 सितंबर 1857 को 'बिथोड़ा के युद्ध' में उन्होंने कैप्टन हीथकोट और जोधपुर के महाराजा की संयुक्त सेना को करारी शिकस्त दी। इसके बाद 18 सितंबर 1857 को 'चेलावास के युद्ध' (काले और गोरों का युद्ध) में उन्होंने ब्रिटिश सेनापति लॉरेंस और पॉलिटिकल एजेंट मॉक मेसन की सेना को पराजित किया तथा मॉक मेसन का सिर काटकर आउवा के किले के मुख्य द्वार पर टांग दिया। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के कई महीनों तक छक्के छुड़ाए रखे।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (अनुरोधित संस्करण), Ch 5 "प्रथम स्वतंत्रता संग्राम", p. 1857 और "काले और गोरों का युद्ध";

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत में छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में सिहावा पर्वत श्रेणी से निकलकर ओडिशा में बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली वह कौन-सी प्रमुख नदी है, जिस पर विश्व का सबसे लंबा 'हीराकुंड बांध' निर्मित है? (भूगोल)
उत्तर: महानदी (Mahanadi)

व्याख्या: महानदी मध्य-पूर्वी भारत की एक अत्यंत महत्वपूर्ण नदी प्रणाली है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 851 किलोमीटर है। इसका जल-ग्रहण क्षेत्र छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, झारखंड और महाराष्ट्र में विस्तृत है। ओडिशा के संबलपुर के निकट इस नदी पर प्रसिद्ध 'हीराकुंड बांध' (Hirakud Dam) का निर्माण किया गया है, जिसका मुख्य बांध 4.8 किलोमीटर तथा कुल तटबंध 25.8 किलोमीटर लंबा है, जो विश्व के सबसे लंबे मिट्टी के बांधों में से एक है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, मांड, ईब, जोक और तेल शामिल हैं। कटक के निकट यह विशाल डेल्टा बनाती हुई बंगाल की खाड़ी में विलीन होती है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22-24;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य के महाधिवक्ता (Advocate General for the State) के पद, उनकी नियुक्ति, योग्यता और कर्तव्यों का निर्धारण करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 165 (Article 165)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-VI में राज्य कार्यपालिका के अंतर्गत 'अनुच्छेद 165' राज्य के महाधिवक्ता (Advocate General) के पद का प्रावधान करता है। महाधिवक्ता राज्य का सर्वोच्च विधि अधिकारी (Highest Law Officer) होता है। उनकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है और उनके पास उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने की आवश्यक योग्यताएं होनी चाहिए। वे राज्यपाल के प्रसादपर्यन्त पद धारण करते हैं। महाधिवक्ता का मुख्य कर्तव्य राज्य सरकार को कानूनी विषयों पर सलाह देना तथा उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार का पक्ष रखना होता है। अनुच्छेद 177 के तहत उन्हें राज्य विधानमंडल की कार्यवाही में भाग लेने और बोलने का अधिकार है, किंतु मतदान का अधिकार नहीं होता।

संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Article 165 & Article 177;

प्र.8. किसी समतल दर्पण पर 40° के आपतन कोण पर आपतित होने वाली प्रकाश किरण के लिए आपतित किरण और परावर्तित किरण के बीच कुल कितने डिग्री का कोण बनेगा? (विज्ञान)

उत्तर: 80° (80 डिग्री)

व्याख्या: प्रकाशिकी में प्रकाश के परावर्तन के प्रथम नियमानुसार, आपतन कोण ($\angle i$) का मान सदैव परावर्तन कोण ($\angle r$) के ठीक बराबर होता है ($\angle i = \angle r$)।

यहाँ दिया गया है: आपतन कोण $\angle i = 40^\circ$

अतः परावर्तन कोण $\angle r = 40^\circ$ होगा।

आपतित किरण और परावर्तित किरण के बीच का कुल कोण ($\angle \theta$) इन दोनों कोणों के योग के बराबर होता है: $\angle \theta = \angle i + \angle r$, $\angle \theta = 40^\circ + 40^\circ = 80^\circ$

(अतिरिक्त तथ्य: दर्पण की सतह से आपतित किरण का स्पर्श कोण / Glancing Angle = $90^\circ - 40^\circ = 50^\circ$ होगा, तथा किरण का कुल विचलन कोण / Angle of Deviation = $180^\circ - 80^\circ = 100^\circ$ होगा)।

संदर्भ: NCERT Science Class 10 (विज्ञान), अध्याय 'प्रकाश' (Light), p. 174-177;

प्र.9. 10वीं शताब्दी में राष्ट्रकूट राजाओं के संरक्षण में महाराष्ट्र के मुंबई के निकट घारापुरी द्वीप पर स्थित चट्टानों को तराशकर बनाई गई गुफाओं में भगवान शिव की प्रसिद्ध 20 फीट ऊंची तीन मुखों वाली 'सदाशिव प्रतिमा' किस नाम से विख्यात है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: त्रिमूर्ति शिव (एलिफेंटा की गुफाएं)

व्याख्या: एलिफेंटा गुफा परिसर (प्राचीन नाम: घारापुरी) मुंबई बंदरगाह के निकट अरब सागर में स्थित एक द्वीप पर शैलकृत पाषाण गुफाओं का विश्वप्रसिद्ध समूह है। पुर्तगालियों ने यहाँ स्थापित विशाल पाषाण हाथी की मूर्ति के कारण इसे 'एलिफेंटा' नाम दिया था। मुख्य गुफा (गुफा संख्या-1) के केंद्रीय कक्ष में भगवान शिव की विशाल 20 फीट (लगभग 6 मीटर) ऊंची 'त्रिमूर्ति' (महेशमूर्ति) स्थापित है। यह प्रतिमा शिव के तीन दिव्य स्वरूपों को एक साथ दर्शाती है: (1) मध्य में शांत और ध्यानस्थ मुख 'सदाशिव' (परम ब्रह्म/संरक्षक), (2) दाहिनी ओर सौम्य व कोमल स्त्री मुख 'उमा' (सृजन की शक्ति), और (3) बाईं ओर मुँहों व क्रोधयुक्त उग्र मुख 'भैरव' (विनाश और संहार की शक्ति)। 1987 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 5 "भारतीय गुफा कला और स्मारक", p. 66-69;

प्र.10. 1931 में बिहार में समाजवादी विचारों के प्रचार-प्रसार, कृषक अधिकारों और साम्यवाद के अध्ययन हेतु गंगाशरण सिंह, रामवृक्ष बेनीपुरी और रामानंद मिश्र ने अनौपचारिक रूप से किस संगठन की नींव रखी थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: बिहार सोशलिस्ट पार्टी (1931)

व्याख्या: 1931 में बिहार के प्रमुख राष्ट्रवादी व प्रगतिशील युवाओं — गंगाशरण सिंह, रामवृक्ष बेनीपुरी, रामानंद मिश्र और फूलन प्रसाद वर्मा ने मिलकर अनौपचारिक रूप से 'बिहार सोशलिस्ट पार्टी' (Bihar Socialist Party) की स्थापना की थी। इस समूह ने पटना, सारण और मुजफ्फरपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, मजदूरों और छात्रों के बीच अध्ययन मंडल (Study Circles) चलाए तथा रूसी क्रांति व समाजवाद के आदर्शों का प्रचार किया। इसी संगठन के सुदृढ़ आधार पर आगे चलकर मई 1934 में पटना के अंजुमन इस्लामिया हॉल में जयप्रकाश नारायण और आचार्य नरेंद्र देव के नेतृत्व में 'कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी' (CSP) का अखिल भारतीय स्तर पर औपचारिक गठन संभव हो सका था।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; Dr. K. K. Datta — 'History of Freedom Movement in Bihar';



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W3 – दीपावली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव) के अनुसार पटाखों से निकलने वाली सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂) व भारी धातुओं (सीसा, बेरियम) से बच्चों व सांस के मरीजों को क्या खतरे होते हैं और पटाखा जलाने समय दुर्घटना से बचाव हेतु कौन-से बुनियादी सुरक्षा नियम अपनाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: अस्थमा, फेफड़ों की गंभीर क्षति व आँखों में जलन; खुली जगह, सूती कपड़े व बाल्टी में पानी रखना
व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W3: दीपावली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव) के अनुसार: (1) रासायनिक व स्वास्थ्य जोखिम – पटाखों में चमकदार रंगों और धमाकों हेतु बेरियम (हरा रंग), स्ट्रॉटियम (लाल रंग), सीसा (लेड), सल्फर और पोटेशियम नाइट्रेट जैसे घातक रसायनों का उपयोग होता है; इनके जलने से उत्पन्न PM 2.5 और PM 10 कण सांस नली में गहराई तक जाकर बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों में तीव्र दमा (Asthma Attack), ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों की स्थायी क्षति करते हैं; (2) सुरक्षा प्रोटोकॉल – पटाखे हमेशा खुले मैदान में, वयस्कों की सीधी देखरेख में ही जलाएं; घर की बालकनी, संकरी गलियों या बिजली के तारों के नीचे पटाखे कदापि न जलाएं; (3) परिधान व जल सुरक्षा – पटाखे जलाने समय ढीले, रेशमी (सिल्क) या नायलॉन के कपड़े कभी न पहनें (ये आग तेजी से पकड़ते हैं); केवल चुस्त सूती (काँटन) कपड़े और जूते पहनें; पास में कम से कम 2 गाल्टी पानी या बालू अवश्य रखें; (4) अधजले पटाखों को दोबारा हाथ से न छुएं और जलने पर प्रभावित अंग पर कम से कम 10 मिनट तक सामान्य ठंडा पानी डालें (टूथपेस्ट, तेल या स्याही न लगाएं)।
संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W3 – "दीपावली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी";



प्र.12. 12 सेमी भुजा वाले एक ठोस शीशे के घन (Cube) को पिघलाकर 3 सेमी भुजा वाले कितने छोटे-छोटे ठोस घन बनाए जा सकते हैं? (रोचक पहेली/गणित/रीजनिंग)
उत्तर: 64 घन
व्याख्या: यह ठोस ज्यामिति में घनों के रूपांतरण और आयतन के संरक्षण पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।
घन का आयतन = $(\text{भुजा})^3 = a^3$ । यहाँ बड़े घन की भुजा (A) = 12 सेमी।
बड़े घन का कुल आयतन $(V_1) = (12)^3 = 12 \times 12 \times 12 = 1,728$ (घन सेमी)।
छोटे घन की भुजा (a) = 3 सेमी।
एक छोटे घन का आयतन $(V_2) = (3)^3 = 3 \times 3 \times 3 = 27$ (घन सेमी)।
निर्मित होने वाले छोटे घनों की कुल संख्या $(n) = \frac{\text{बड़े घन का आयतन}}{\text{एक छोटे घन का आयतन}}$
 $n = 1728 / 27$
 $n = 64$ (घन)।
(वैकल्पिक संक्षिप्त विधि: घनों की संख्या = $(A/a)^3 = (12/3)^3 = (4)^3 = 4 \times 4 \times 4 = 64$)।
अतः पिघलाकर 3 सेमी भुजा वाले कुल 64 छोटे ठोस घन बनाए जा सकते हैं।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 11 "क्षेत्रमिति" (Mensuration - Volume of Cube), p.178-181;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Belie (बिलाइ) = Contradict (कॉन्ट्राडिक्ट) = झुठलाना / गलत साबित करना
Antonym – Confirm (कन्फर्म) = पुष्टि करना / सत्यापित करना
2. Circumspect (सर्कम्स्पेक्ट) = Cautious (कॉशस) = सावधान / विवेकपूर्ण
Antonym – Reckless (रेकलेस) = लापरवाह / उतावला
3. Eschew (एस्क्यू) = Avoid (अवॉइड) = जानबूझकर बचना / परहेज़ करना
Antonym – Embrace (एम्ब्रेस) = अपनाना / स्वीकार करना
4. Invidious (इनविडियस) = Envious (एन्वियस) = ईर्ष्यापूर्ण / द्वेषपूर्ण
Antonym – Appreciative (अप्रिशीएटिव) = प्रशंसात्मक / सराहना करने वाला
5. Sagacious (सगेइशस) = Wise (वाइज़) = बुद्धिमान / दूरदर्शी / विवेकशील
Antonym – Foolish (फूलिश) = मूर्ख / अविवेकी

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



India's defence production reaches ₹1.80 lakh crore; defence exports hit record ₹38,424 crore

हिन्दी अनुवाद: भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचा; रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये हुए।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ताजिकिस्तान के दुशांबे में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुँचा है। भारत अब पनडुब्बियों का निर्माण कर रहा है।

UPSC/BPSC के लिए: Defence production — रक्षा उत्पादन; Defence exports — रक्षा निर्यात; Indigenisation — स्वदेशीकरण।

India economy growing at 7.2% despite West Asia conflict; contributes over 16% to global economic growth

हिन्दी अनुवाद: पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था 7.2% की दर से बढ़ रही है; वैश्विक आर्थिक वृद्धि में 16% से अधिक का योगदान।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के वैश्विक प्रभाव के बावजूद भारत 7.2% की दर से बढ़ रहा है। भारत वैश्विक आर्थिक वृद्धि में 16% से अधिक का योगदान देता है। भारत ने लगभग 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। UPSC/BPSC के लिए: GDP growth — GDP वृद्धि; FTA — मुक्त व्यापार समझौता; Current account deficit — चालू खाता घाटा।

Ministry of Defence signs ₹770 crore contract for improved low level light weight radars for Indian Army

हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए उन्नत निम्न स्तरीय हल्के रडारों की खरीद के लिए 770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया।
रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए उन्नत निम्न स्तरीय हल्के रडारों की खरीद के लिए 770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। यह अनुबंध सेना की वायु सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देगा। UPSC/BPSC के लिए: Improved Low Level Light Weight Radar — उन्नत निम्न स्तरीय हल्का रडार; Indian Army — भारतीय सेना; Defence procurement — रक्षा खरीद।

INTERNATIONAL NEWS

US says peace deal with Iran extremely difficult amid Hormuz ship attacks; Iran says Hormuz to remain closed until US accepts conditions

हिन्दी अनुवाद: होर्मुज़ में जहाजों पर हमलों के बीच अमेरिका ने कहा कि ईरान के साथ शांति सौदा अत्यंत कठिन; ईरान ने कहा कि अमेरिका शर्तें मानने तक होर्मुज़ बंद रहेगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान के साथ शांति समझौता करना अत्यंत कठिन है और तेहरान व्यावसायिक शिपिंग को निशाना बनाना बंद नहीं करती, तब तक आर्थिक दबाव जारी रहेगा। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि वाशिंगटन तेहरान की शर्तें स्वीकार करने तक होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद रहेगा। पाकिस्तान और कतर के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; Indirect talks — अप्रत्यक्ष बातचीत; Freedom of navigation — नौवहन की स्वतंत्रता।

Saudi-led coalition intercepts five drones over Medina; UK to send jets to defend Saudi Arabia from Houthi attacks

हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने मदीना के ऊपर पाँच ड्रोन रोकें; ब्रिटेन हूति हमलों से सऊदी अरब की रक्षा के लिए लड़ाकू विमान भेजेगा।
सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने मदीना और पूर्वी क्षेत्रों के ऊपर पाँच ड्रोन को रोकने और नष्ट करने का दावा किया। ब्रिटेन ने घोषणा की कि वह हूति हमलों के खिलाफ सऊदी अरब की रक्षा के लिए अतिरिक्त रक्षात्मक सैन्य सहायता देगा। UPSC/BPSC के लिए: Saudi-led coalition — सऊदी-नेतृत्व वाला गठबंधन; Drone interception — ड्रोन अवरोधन; UK Defence Ministry — ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय।

Saudi capital's airport opens to limited traffic; Houthi attacks continue to disrupt regional aviation and shipping

हिन्दी अनुवाद: सऊदी राजधानी का हवाई अड्डा सीमित यातायात के लिए खुला; हूति हमले क्षेत्रीय विमानन और शिपिंग को बाधित करते रहे।
रियाद का किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सीमित यातायात के लिए फिर से खुल गया है। हूति हमलों से क्षेत्रीय विमानन और शिपिंग बाधित होती रही है। UPSC/BPSC के लिए: King Khalid International Airport — किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा; Regional aviation — क्षेत्रीय विमानन; Shipping disruption — शिपिंग बाधा।

BIHAR NEWS

Bihar floods affect nearly 50 lakh people across 15 districts; CM transfers ₹112 crore relief via DBT to over 1.6 lakh families

हिन्दी अनुवाद: बिहार में 15 जिलों में लगभग 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित; CM ने 1.6 लाख से अधिक परिवारों को DBT के जरिए 112 करोड़ रुपये की राहत भेजी।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, पटना, भोजपुर और सारण सहित 15 जिलों में 49.67 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 1,60,201 प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में 112.14 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के जरिए भेजी। राज्य सरकार ने प्रति परिवार 7,000 रुपये की सहायता देने की व्यवस्था की है। UPSC/BPSC के लिए: DBT — प्रत्यक्ष लाभ अंतरण; Disaster Management Department — आपदा प्रबंधन विभाग; Flood relief — बाढ़ राहत।

Bihar boat tragedy: 13 children dead after boat capsizes in Ganga in Vaishali; PM announces ₹2 lakh ex-gratia, CM announces ₹4 lakh

हिन्दी अनुवाद: बिहार नाव दुर्घटना: वैशाली में गंगा में नाव पलटने से 13 बच्चों की मौत; PM ने 2 लाख रुपये की ex-gratia, CM ने 4 लाख रुपये की घोषणा की।

वैशाली जिले के हाजीपुर के रामपुर श्यामचंद गाँव के पास गंगा नदी में नाव पलटने से कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये की ex-gratia और घायलों के लिए 50,000 रुपये की सहायता की घोषणा की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मृतकों के परिजनों के लिए 4 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की। SDRF ने गंगा नदी में खोज-बचाव अभियान शुरू किया है। UPSC/BPSC के लिए: Boat capsizes — नाव पलटना; Ex-gratia — अनुग्रह राशि; SDRF — राज्य आपदा मोचन बल।

SPORTS NEWS

India vs West Indies 5th T20I washed out due to rain; series ends 2-2

हिन्दी अनुवाद: भारत बनाम वेस्टइंडीज़ पाँचवां T20I बारिश के कारण रद्द; श्रृंखला 2-2 से समाप्त।

बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के कारण पाँचवां T20I रद्द हो गया। श्रृंखला 2-2 से बराबर रही। दोनों टीमों ने श्रृंखला ट्रॉफी साझा की। UPSC/BPSC के लिए: T20I — ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; M. Chinnaswamy Stadium — एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम।

India and West Indies share T20 series trophy after rain ruins decider

हिन्दी अनुवाद: बारिश ने निर्णायक मैच बर्बाद किया, भारत और वेस्टइंडीज़ ने T20 श्रृंखला ट्रॉफी साझा की।

पाँच मैचों की T20 श्रृंखला का निर्णायक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। श्रृंखला 2-2 से बराबर रही। दोनों टीमों ने श्रृंखला ट्रॉफी साझा की। UPSC/BPSC के लिए: Series decider — श्रृंखला निर्णायक; Five-match series — पाँच मैचों की श्रृंखला।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“रक्षा में आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाई: भारत का रक्षा निर्यात ₹38,000 करोड़ पार”

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में ₹686 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ₹38,000 करोड़ से अधिक हो गया है। भारत अब लगभग 100 देशों को स्वदेशी रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है और अम्मुनिशन वेरिफ़ाईड में 90% से अधिक आत्मनिर्भरता हासिल कर चुका है।

वतन से बड़ा कुछ नहीं (अशफाक उल्ला खाँ जयंती विशेष)

शाहजहाँपुर के अशफाक उल्ला खाँ का जन्म 22 अक्टूबर 1900 को हुआ था। वे बचपन से ही स्वतंत्रता और देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत थे। उनका सपना था कि भारत स्वतंत्र हो और देशवासी सम्मान के साथ जीवन जी सकें। वे मानते थे कि देश की आजादी किसी एक धर्म या समुदाय की नहीं, बल्कि पूरे भारत की साझा जिम्मेदारी है।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उनकी मित्रता राम प्रसाद बिस्मिल से हुई। दोनों की धार्मिक मान्यताएँ अलग थीं, लेकिन मातृभूमि के प्रति प्रेम एक था। उनकी मित्रता उस समय की सांप्रदायिक दीवारों को चुनौती देती थी। दोनों ने मिलकर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया।

काकोरी रेल कार्रवाई के बाद अंग्रेज सरकार ने अनेक क्रांतिकारियों को गिरफ्तार किया। अशफाक उल्ला खाँ भी पकड़े गए। उन पर मुकदमा चला और उन्हें मृत्युदंड सुनाया गया। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने विचारों और देशप्रेम का साथ नहीं छोड़ा।

19 दिसंबर 1927 को फैजाबाद जेल में उन्हें फाँसी दे दी गई। वे केवल सत्ताईस वर्ष के थे। उनका जीवन भले ही छोटा रहा, लेकिन उनका साहस और बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अमर विरासत बन गया।

अशफाक उल्ला खाँ का जीवन हमें याद दिलाता है कि सच्चा देशप्रेम नारों से नहीं, बल्कि त्याग, साहस और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने से प्रकट होता है। उन्होंने यह भी दिखाया कि धर्म, भाषा और जाति की भिन्नताएँ मनुष्यों को बाँटने के बजाय विविधता में एकता की प्रेरणा बन सकती हैं।

प्रेरक सीख:

“देश की सबसे बड़ी शक्ति उसके लोगों की एकता है। जब हम भेदभाव से ऊपर उठकर सत्य, साहस और मानवता का साथ देते हैं, तभी एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण होता है।”



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-21

सोचो... समझो... हल करो...

			8		7			
		5				9		
				6	1		7	
			5				9	
	4	3	6		8			
							8	1
5								9
			3	9				8
6	3				5	7		

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"जो व्यक्ति निरंतर प्रयास करता है, उसके लिए असंभव कुछ भी नहीं।"

— चाणक्य

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

1	9	8	6	6	7	2	3	4
7	8	6	2	4	3	9	1	5
3	2	4	9	5	1	8	7	6
8	6	1	6	7	2	4	9	3
9	4	3	6	1	8	5	2	7
2	6	7	4	3	9	8	5	1
8	1	5	7	2	4	3	6	9
4	7	2	3	9	5	1	8	6
6	3	9	1	8	6	7	4	2

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 5, श्लोक 29

भोक्तारं यज्ञतपसां सर्वलोकमहेश्वरम्।

सुहृदं सर्वभूतानां ज्ञात्वा मां शान्तिमृच्छति॥

सरल हिन्दी अर्थ:

मुझे सब यज्ञों और तपस्याओं का भोक्ता (स्वीकार करने वाला), संपूर्ण लोकों का परमेश्वर (सर्वोच्च स्वामी) और सभी प्राणियों का सुहृद् (निःस्वार्थ प्रेमी, सच्चा हितैषी व मित्र) जानकर मनुष्य परम शांति को प्राप्त हो जाता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

यह श्लोक श्रीमद्भगवद्गीता के पाँचवें अध्याय का अंतिम और शांति-प्रदायक श्लोक है। आधुनिक जीवन में तनाव, असुरक्षा और अकेलेपन की सबसे बड़ी वजह यह भ्रम है कि "मुझे सब कुछ अकेले ही संभालना है" और "संसार में मेरा कोई सच्चा हितैषी नहीं है।"

- सुहृदं सर्वभूतानाम् (The Unconditional Ally): 'सुहृद्' उस मित्र को कहते हैं जो बिना किसी अपेक्षा, स्वार्थ या बदले की भावना के केवल आपका हित चाहता है। जब मनुष्य यह समझ लेता है कि पूरी सृष्टि को चलाने वाली परम शक्ति उसकी विरोधी नहीं, बल्कि उसकी सच्ची हितैषी है, तो मन से हर प्रकार का अकेलापन और भविष्य का भय समाप्त हो जाता है।
- नियंत्रण के भ्रम से मुक्ति: जब हम मानते हैं कि समस्त परिणामों और व्यवस्था का अंतिम स्वामी परमात्मा (या समष्टिगत नियम) है, तो 'सब कुछ ठीक करने' का अवांछित मानसिक बोझ हमारे कंधों से उतर जाता है। हमारा काम केवल ईमानदारी से प्रयास (तप) करना है।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏





मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोटसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो देश का भविष्य है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदमूछा शांति
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

जात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थित प्राथमिक विद्यालय और सानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सी आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक वेबसाइट पर भी प्रेरणायुक्त है। टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक एसिड का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वेत परिवर्ण में स्वीय का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सत्याग्रही शैक्षिक पालन सम्मेलन आइ है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालन हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

■ यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बस रही शिक्षा का स्वरूप
■ शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकें तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनवैशेषी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालन का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसलन के बाद बगहा दो में ज्ञानाग्रह

राज, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृतिक मॉडल से साक्षीगण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'संस्कृतिक मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ती है शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणायुक्त है। धृष्टन रम्य, बीडेंडा, बगहा दो

संस्कृतिक रूप से आगे बढ़ता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामुदायिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है। शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संकलित यह पालन यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

भारतीय संविधान के शिल्पका: डॉ. भीमराव आंबेडकर

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि हमारे देश में सबको बराबरी से जीने, पढ़ने और आगे बढ़ने का अधिकार किसने दिया? वह कौन सा कानून है जो राजा से लेकर रंक तक सबको एक नज़र से देखता है? वह पावन ग्रंथ है—हमारा 'भारतीय संविधान'! और इस महान संविधान को लिखने वाले मुख्य शिल्पकार थे हमारे आदरणीय 'बाबासाहेब' डॉ. भीमराव आंबेडकर।

बाबासाहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महु (सैन्य छावनी, जिसे आज 'डॉ. आंबेडकर नगर' कहा जाता है) में हुआ था। उनके पिता श्री रामजी मालोजी सकपाल सेना में सूबेदार और बहुत अनुशासनप्रिय व संस्कारी व्यक्ति थे। उनकी माता श्रीमती भीमाबाई अत्यंत धर्मपरायण, स्नेहमयी और ममता की मूरत थीं। चौदह भाई-बहनों में सबसे छोटे होने के कारण घर में सब बालक को प्यार से 'भीवा' कहकर पुकारते थे।

नन्हें भीवा बचपन से ही गज़ब के मेधावी और पढ़ने के शौकीन थे, लेकिन उस समय समाज में छुआछूत की बहुत बुरी कुरीति फैली हुई थी। स्कूल में नन्हें भीवा को कक्षा के बाकी बच्चों के साथ बैठने नहीं दिया जाता था; उन्हें अपनी बोरी खुद घर से लाकर कक्षा के बाहर ज़मीन पर बैठना पड़ता था। प्यास लगने पर वे स्कूल के नल या घड़े को छू भी नहीं सकते थे। जब चपरासी दूर से ऊपर से पानी डालता, तभी वे पानी पी पाते थे। जिस दिन चपरासी नहीं आता, उस दिन बालक भीवा को दिन भर प्यासा रहना पड़ता था। एक स्नेही शिक्षक महादेव आंबेडकर बालक की प्रतिभा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपना कुलनाम 'आंबेडकर' नन्हें भीमराव को उपहार स्वरूप दे दिया।

इन कटु अनुभवों से भीमराव टूटे नहीं, बल्कि उन्होंने तय कर लिया कि वे विद्या और ज्ञान को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएँगे। बड़ौदा के सहृदय महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ की छात्रवृत्ति पाकर वे सात समंदर पार अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स पढ़ने गए। उन्होंने अर्थशास्त्र और कानून में डॉक्टरेट (पीएच.डी.) की उपाधियाँ हासिल कीं। वे दिन में अठारह-अठारह घंटे केवल किताबें पढ़ते थे।

स्वतंत्रता के बाद जब भारत का नया संविधान बनाने का समय आया, तो पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल ने बाबासाहेब को संविधान प्रारूप समिति (ड्राफ्टिंग कमेटी) का अध्यक्ष और आज़ाद भारत का पहला कानून मंत्री बनाया। बाबासाहेब ने दिन-रात एक करके दुनिया का सबसे खूबसूरत और मजबूत संविधान तैयार किया, जिसमें महिलाओं, गरीबों, मजदूरों और शोषितों को बराबरी का अधिकार दिया गया।

उन्होंने देशवासियों और नन्हें बच्चों को एक अमर मूलमंत्र दिया—"शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो!" राष्ट्र के प्रति उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से अलंकृत किया गया। 6 दिसंबर 1956 को इस महान युगद्रष्टा ने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया। प्यारे बच्चों, बाबासाहेब का पावन जीवन हमें सिखाता है कि किताबों से सच्ची मित्रता करो, कभी किसी के साथ भेदभाव मत करो और अपने ज्ञान व मेहनत से समाज में न्याय की रोशनी फैलाओ।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





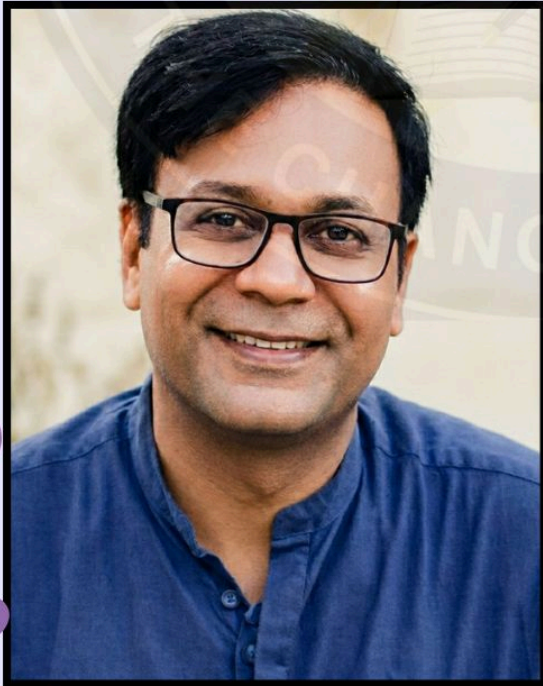
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

जीवन में कभी भी स्वयं को असहाय या अकेला मत मानिए। अपने
सारे दायित्व और नेक प्रयास उस परम शक्ति को समर्पित कर
दीजिए जो आपकी सच्ची मित्र है। इस अटूट भरोसे से ही
वास्तविक और स्थायी शांति का मार्ग खुलता है।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

